मुंह का कैंसर जानने को बायप्सी जरूरी नहीं

मिली मशीन

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

मुंह के कैंसर का पता लगाने के लिए अब मरीज को बायप्सी जैसी दर्दनाक विधि से नहीं गुजरना होगा। नई मशीन से सिर्फ ऑप्टिकल तकनीक से इसका पता लगाया जा सकेगा। यह मशीन परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से इंदौर के राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने सोमवार को लहरतारा स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल को सौंपी। ट्यूबरकुलोसिस की जांच के लिए भी एक मशीन दी गयी है।

इंदौर से वैज्ञानिकों डॉ. शोभन मजुमदार, विजय द्विवेदी और हेमंत कृष्णा ने मशीनों के बारे में जानकारी दी। टाटा मेमोरियल सेंटर के डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि ये जांच मशीनें गांव तक ले जाई जा सकेंगी। निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान ने बताया कि यह देश का पहला कैंसर संस्थान है, जिसे ये उपकरण मिले हैं। प्रधानमंत्री के 100 डेज एजेंडा के तहत ये उपकरण निःशुल्क भेंट है। इस मौके पर डॉ. राकेश मित्तल, आरपी जायसवाल मौजूद रहे।

लहरतारा स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल को मुंह के कैंसर व टीबी जांच की विशेष मशीन सौंपते राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के वैज्ञानिक।

हरे, लाल और नारंगी रंग से कैंसर की जानकारी होगीः ओंको डाइग्नोस्कोप से किसी भी कैंसर की स्थिति का पता लगा सकेगा। डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि लैपटॉप से संचालित इस उपकरण के लेजर ऑप्टिकल को मुंह के छाले के पास ले जाने पर स्क्रीन पर तीन रंग में से कोई एक जलेगा। अगर हरा रंग जलता है तो कैंसर नहीं है। नारंगी रंग पर कैंसर हो सकता है। लाल निशान होने पर कैंसर होने का संकेत होगा। 15 साल की रिसर्च के बाद मशीन तैयार की गई है।

टीबी के बैक्टीरिया चलेगा पता

डॉ. शोभन मजुमदार ने बताया कि ट्यूबरकुलोस्कोप भी लैपटॉप की मदद से संचालित होगा। इसमें मरीज के बलगम को स्लाइड पर रखकर स्कैन करके बैक्टीरिया की संख्या का पता चल जायेगा। इससे तुरंत दवा शुरू की जा सकेगी।

पूर्वांचल में सबसे अधिक मरीज

डॉ. सत्यजीत प्रधान ने बताया कि दो साल से कैंसर अस्पताल की 13 सदस्यीय टीम वाराणसी समेत आसपास के जिलों में पापुलेशन बेस्ड कैंसर स्क्रीनिंग कर रही है। अब तक सबसे अधिक मरीज यहां से मुंह के कैंसर के मिले हैं।

बिना चीरफाड़ कैंसर-टीबी मरीजों की पहचान संभव

जासं, वाराणसी: मुख कैंसर और टीबी जैसे असाध्य रोग की कम समय और खर्चों में ही पहचान हो जाएगी। परिणाम स्वरूप समय रहते ही पीड़ित का उपचार शुरू हो जाएगा। इसे सतह पर लाने के लिए इंदौर स्थित राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों की टीम ने खास तरह के दो उपकरण तैयार किये हैं। सोमवार को एक आयोजन के दौरान जैव चिकित्सा अनुप्रयोग प्रभाग के प्रमुख डा. शोभन कुमार मजुमदार ने ट्यूबरकुलोस्कोप और ओन्कोडायग्नोस्कोप नाम की दो मशीनें लहरतारा स्थित होमी भाभा कैंसर हास्पिटल को सौंपी है।

टीबी और मुख कैंसर पीड़ितों के लिए मददगार

ऑप्टिकल तकनीक पर आधारित पोर्टेबल और कम लागत वाली दो मशीनें टीबी और मुख कैंसर रोगियों की जांच के लिए विकसित की गई हैं। इन्हें डा. शोभन कुमार मजुमदार, डा. हेमंत कृष्णा एवं विजय कुमार द्विवेदी ने तैयार किया है। विशेषज्ञों ने बताया कि बिना चीर-फाड़ विधि के ट्यूबरकुलोस्कोप टीबी के रोगियों की पहचान कर लेता हैं। ऐसे रोगियों की पहचान थोड़ी जटिल होती है। दूसरा ओन्कोडायग्नोस्कोप मुंह के कैंसर की तत्काल जांच कर लेता है।

होमी भाभा हास्पिटल प्रबंधन को उपकरण सौंपते वैज्ञानिक डा. एसके मजुमदार

मरीजों पर किया परीक्षण

डा. हेमंत कृष्णा एवं विजय कुमार द्विवेदी ने मशीन के तकनीकी पक्ष की जानकारी हास्पिटल के कर्मचारियों को दी। बताया कि कम समय और कम खर्चों में रोगियों की पहचान आसानी से हो जाएगी। लंबे समय तक शोध के बाद विकसित ये मशीनें सरकार के 100 दिन के कार्यकाल को समर्पित हैं। होमी भाभा कैंसर हास्पिटल के निदेशक सत्यजीत प्रधान, पंकज चतुर्वेदी सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे।

ओरल कैंसर और टीबी की जांच के लिए नई मशीनें

वाराणसी। होमी भाभा कैंसर अस्पताल लहरतारा में ओरल कैंसर और टीबी के मरीजों को जांच के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। यहां परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से कैंसर जांच के लिए ऑनकोडायग्नोस्कोप और टीबी की जांच के लिए टयूबरक्लोस्कोप मशीन आ गईं हैं। इससे बिना किसी चीर फाड़ के मरीज की जांच की जा सकेगी और उसे कैंसर और टीबी के शुरुआती लक्षण की जानकारी मिल जाएगी। सोमवार को राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र इंदौर से आए डॉ. एसके मजूमदार ने अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान, डॉ. पंकज चतुर्वेदी की मौजूदगी में अस्पताल को दो मशीनें भेंट की।

अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मजूमदार ने बताया कि केंद्र सरकार के

होमी भाभा कैंसर अस्पताल में नई मशीन भेंट करते परमाणु उर्जा विभाग के अधिकारी।

100 दिन के एजेंडे को पूरा करने के उद्देश्य से परमाणु ऊर्जा विभाग ने इन मशीनों को यहां भेंट किया। यह देश का पहला ऐसा अस्पताल हैं जहां ये मशीनें भेंट की गई। इस दौरान डॉ. राकेश मित्तल, आरपी जैसवार आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

ऐसे मिलेगी कैंसर की जानकारी

ऑनकोडायग्नोस्कोप की खासियत यह है कि इसमें अगर मुंह में छाले हैं तो उसके पास लेजर ऑप्टिकल को ले जाने पर स्क्रीन पर तीन रंग दिखेगा। डॉ. पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि इसमें अगर स्क्रीन पर हरा रंग दिखता है तो कैंसर नहीं होगा लेकिन अगर नारंगी रंग दिखता है तो कैंसर की पुष्टि होगी।